

#RankingTime: नेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क जारी

एम्स और आईआईएम की रैंकिंग में जबर्दस्त उछाल, एनआईटी पिछड़ा

पत्रिका ZOOM रिपोर्टर
patrika.com

इसके पीछे मेहनत है



रैंकिंग के मामले में आईआईएम रायपुर का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। कुछ सालों के आंकड़ें देखें तो 2019 में वह 19वाँ रैंक पर था जो बढ़ते हुए आज 11वाँ रैंकिंग पर आ गया है। हमने यहाँ तक पहुँचने में बहुत मेहनत की है।

प्रोफेसर रामकुमार काकानी,
डायरेक्टर आईआईएम रायपुर

एक नजर में रैंकिंग

	एनआईटी	आईआईएम
2023	70	11
2022	65	14
2021	64	15
2020	67	19
2019	74	19

ट्रिपलआईटी शामिल नहीं हुआ

एनआईआरएफ के पैरामीटर में हम नहीं आते। इसलिए अप्लाई ही नहीं किया।
के.जी. श्रीनिवास, डीन आरएंडडी

रायपुर. मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन ने सोमवार को नेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) जारी कर दी। एम्स रायपुर की रैंकिंग पिछले साल 49 थी जो बढ़कर 39 में आ गई। इसी तरह आईआईएम रायपुर 14 से 11वें पायदान में पहुँच गया। इधर, एनआईटी रायपुर की रैंकिंग में गिरावट दर्ज की गई है। पिछले साल उसकी रैंकिंग 65 थी जो गिरकर 70 तक पहुँच गई है। इधर, रैंकिंग में पहली बार पार्टिसिपेट करने वाला आईआईटी भिलाई 81 रैंकिंग पर है। फॉर्मसी सेक्टर में गुरुघासीदास विवि की रैंकिंग पिछले साल की तरह 43 ही है। रविवि इस बार भी 151-200 रैंक कैटेगरी में है।

रैंकिंग गिरी, लेकिन परफॉर्मेंस स्कोर बढ़ा



ये जरूर है कि हमारी रैंकिंग कम हुई है लेकिन स्कोर की बात करें तो बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल स्कोर 45.71 था जो बढ़कर 47.69 हुआ है। यह कॉम्पिटिशन है, कोई न कोई आगे रहेगा ही। पिछले साल फैकल्टी रिक्रूटमेंट बड़ा फैक्टर था। रिसर्च पर भी काम हो रहा है। कोशिश रहेगी कि आगे रैंकिंग में सुधार हो।

प्रोफेसर मनोज प्रधान,
एनआईआरएफ रैंकिंग इंचार्ज
एनआईटी

इससे और बेहतर आएगी रैंकिंग



एक ही छत के नीचे बहुत सी सुविधाएं लगातार मिल रही हैं। अलग-अलग कोर्सेस हैं। पीजी में लगभग सभी कोर्स चल रहे हैं। इक्विपमेंट भी हैं। अभी तो 49 से 39वें पायदान पर आए हैं। रिसर्च पर अच्छा ध्यान देंगे और कोशिश रहेगी कि इससे और बेहतर रैंकिंग आए।

डॉ. नितिन नागरकर,
डायरेक्टर एम्स रायपुर

टॉप 50 में आने का टारगेट रहेगा



हमारा यह पहला पार्टिसिपेशन है और टॉप 100 में जगह बन गई। टीचिंग-स्टूडेंट रेशियो, रिसर्च और फंडिंग के चलते हम उनके पैरामीटर पर खरे उतर पाए हैं। हालांकि अभी परसेप्शन और पीएचडी रिसर्च में थोड़े पीछे हैं। आगे इस पर ध्यान देकर टॉप 50 में आने का टारगेट रहेगा। यह हमारे संस्थान के लिए यह बड़ी उपलब्धि है।

प्रो. राजीव प्रकाश, डायरेक्टर
आईआईटी भिलाई